स्टार्टअप के जरिए 3000 से ज्यादा युवाओं को दिलाया रोजगार

सेंटर्स
देहरादून, हरिद्वार, पानीपत, सहारनपुर, अंबाला, अजमेर, यमुनानगर, कोटा, मुजफ्फरनगर गुरुगांव, मुरादाबाद, सोनीपत, बैंगलुरू

आई लीड्स ऑक्सीलेरी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की ओर से दून में एक नया स्टार्टअप शुरू किया गया. ये स्टार्टअप अब अपनी एक पहचान बनाकर युवाओं के लिए रोल मॉडल तक बन गया है. इसको मुकाम तक पहुंचाने वाले शख्स है अंकुर सिन्हा. आई लीड्स के फाउंडर अंकुर सिन्हा ने न केवल एक नए स्टार्टअप की शुरूआत की. बल्कि, अब तो उन्होंने 3000 से अधिक युवाओं को रोजगार तक मुहैया कराया है.

अंकुर सिन्हा

फादरः संतोष कुमार सिन्हा
वाइफः अनुभा सिन्हा
मदरः प्रतिमा सिन्हा
बदर अंकित सिस्टर सृष्टि
हॉबीज
स्पोर्ट्सः क्रिकेट, फुटबॉल
म्यूजिकः पुराने गाने
भोजनः मैक्सिकन फूड
राजनीतिः पसंद है

3000 से अधिक को रोजगार

आई लीड्स एक फास्टेस्ट ग्रोइंग और लीडिंग बीपीओ/केपीओ और आईटीईएस इंडस्ट्री देहरादून में बेस्ड है. 13 साल के एक्सपीरियंस कॉलिंग और डाटा प्रोसेसिंग वर्क के साथ एक्सपीरियंस्ड वर्कर्स के जरिए कस्टमर्स को सेटेसफाइड जानकारी पहुंचाई जाती है. क्लाइंट्स की ओर से मांगी गई इंफॉर्मेशन से क्लाइंट को सेटेसफाइड करना ही उनका फर्म का मुख्य उद्देश्य है. अंकुर चाहते हैं कि देश का हर युवा अपनी एक अलग पहचान बनाए, आगे बढ़े, इसके लिए वह लगातार प्रायासरत भी हैं. इसी सोच व समझ के चलते अंकुर ने आई लीड्स की आधारशिला रखी. यही वजह है कि आज के समय में वह 3000 से अधिक युवाओं को वे खुद रोजगार मुहैया करा रहे हैं. टेली कॉलिंग के जरिये उनकी एक्सपर्ट्स टीम लोगों को अवेयर कराती है. अंकुर का मानना है कि देश में बेरोजगारी बढ़ती जा रही है. ऐसे में युवा अपना स्टार्टअप शुरू कर अपने करियर को एक नई दिशा दे सकते हैं. इसके लिए उनकी ओर से भी स्टार्टअप शुरू कराने वालों को पूरी मदद मुहैया कराई जाती है. जिस वक्त युवा उनके अनुभवों को लाभ उठाना चाहते हैं, उठा सकते हैं.

सामाजिक कार्य में हमेशा प्रतिभाग करते हैं अंकुर

समाजसेवा को अपना पैशन मानने वाले अंकुर कहते हैं कि अभी तो यह महज शुरुआत है. सामाजिक कार्यों में हमेशा, हर वक्त बढ़-चढ़कर योगदान देने के लिए आगे रहने वाले अुंकर किसी भी सामाजिक कार्य में हमेशा प्रतिभाग करते हैं. अंकुर कहते हैं कि बस उनका एक ही सपना कि बढ़ रही बेरोजगारी के बीच ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार प्रदान कर सकें. इसी को वह अपनी लाइफ का सबसे बड़ा सक्सेस मंत्रा भी मानते हैं.

अंकुर कहते हैं कि वे देश की सेवा करना चाहते हैं, उनके मन में देश सेवा का जज्बा है और वे इसके लिए कभी पीछे नहीं रहते हैं. कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहने के लिए वे हर वक्त तैयार हैं.

कोरोनाकाल में मदद के बढ़ाए कदम

राजनीति में भी दिलचस्पी रखने वाले अंकुर चुनाव के वक्त अपनी सक्रिय भूमिका में रहते हैं. जहां तक हो सके, उनकी ओर से बेहतर जनप्रतिनिधि चुनने पर जोर रहता है. जिससे क्षेत्र का विकास हो सके और जनता के बीच रहने वाले जनप्रतिनिधि का बेहतर चुनाव हो सके. खास बात ये है कि विपरीत परिस्थितियों में भी अंकुर ने समाज में अपने योगदान देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी. कोरोनाकाल में जब देश-दुनिया विपरीत हालातों से गुजर ही थी. तब अंकुर ने जरूरतमंदों की मदद के लिए कदम बढ़ाए. इस दौरान उन्होंने न केवल जरूरतमंद फैमिलीज को राशन उपलब्ध कराया. बल्कि, इसके साथ ही सेनेटाइजर और मास्क का भी उन्होंने वितरण किया.